हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा "वानिकी एवं पर्यावरण" विषय पर केन्द्रीय विद्यालय बंगाणा, ऊना, हिमाचल प्रदेश में जागरूकता अभियान का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा केन्द्रीय विद्यालय, बंगाणा, ऊना, हिमाचल प्रदेश के दसवीं, ग्यारवी तथा बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए **'वानिकी एवं पर्यावरण'** पर जागरूकता हेतु दिनांक 19-02-2019 को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें केन्द्रीय विद्यालय, बंगाणा के 72 विद्यार्थियों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहारादून एवं केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली के बीच हस्ताक्षरित समझौते ज्ञापन (MOU) के तहत किया गया। इस समझौते ज्ञापन तहत देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से स्कूल के विद्यार्थियों को वनिकी एवं पर्यावरण के बारे जागरूकता हेतु कार्यक्रम '**प्रकृति : छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम'** शुरू किया गया है जिसका उद्देश्य छात्रों को वानिकी एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है । इस कार्यक्रम में केन्द्रीय विद्यालय बंगाणा, ऊना के प्रधानाचार्य श्री एस॰ डी॰ लखन पाल, पी॰जी॰टी॰ जीव विज्ञान, श्री हरभजन लाल, पी॰जी॰टी॰ कम्प्युटर विज्ञान, श्री किरपाल सिंह एवं पी॰जी॰टी॰ गणित, श्री परविंदर सिंह भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ॰ स्वर्ण लता वैज्ञानिक-सी, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने हिमालयन

वन अनुसंधान संस्थान, शिमला हि॰ प्र॰ के बारे जानकारी देते हुए बताया कि यह भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहारादून का एक क्षेत्रीय संस्थान है तथा यह पश्चिमी हिमालयन राज्यों - हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू-कश्मीर में वानिकी अनुसंधान एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। उसके उपरांत उन्होने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से संस्थान द्वारा पूर्व में किए शोध कार्यों एवं वर्तमान में चल रहे शोध कार्यों के बारे में अवगत कराया एवं **"हिमाचल**

प्रदेश में वन जैव-विविधता: खतरे एवं संरक्षण उपाय" विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। छात्रों ने इस विषय पर संस्थान के वैज्ञानिक के साथ खुलकर चर्चा की व इस विषय से संबन्धित कई सवाल भी किए जिनका वैज्ञानिक द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य श्री एस॰ डी॰ लखन पाल ने अनुरोध किया कि डॉ॰ स्वर्ण लता जीव विज्ञान एवं वानिकी से संबन्धित विषयों, उच्च शिक्षण संस्थानो एवं उनसे जुड़ी नौकरी की संभावनाओं के बारे में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करें ताकि छात्र आने वाले भविष्य में जीव विज्ञान एवं वानिकी के क्षेत्रों में अपना भविष्य बना सके। डॉ॰ स्वर्ण लता ने प्रधानाचार्य के अनुरोध पर जीव विज्ञान एवं वानिकी विषयों, उच्च शिक्षण संस्थानो एवं उनसे जुड़ी नौकरी की संभावनाओं पर भी विस्तृत जानकारी दी। प्रधानाचार्य श्री एस॰ डी॰ लखन पाल ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के अनुसंधान कार्यों की सरहना करते हुए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में शैक्षणिक भ्रमण हेतु इच्छा व्यक्त की ताकि छात्र संस्थान के अनुसंधान गतिविधियों की गहन जानकारी प्राप्त कर पाएँ।

कार्यक्रम के अंत में पी॰जी॰टी॰ जीव विज्ञान, श्री हरभजन लाल, ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला से आए वैज्ञानिक डॉ स्वर्ण लता एवं उनकी टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके द्वारा दी गई जानकारी से छात्र निश्चित रूप से लभान्वित होंगे तथा आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन समय-समय पर करते रहेंगे। साथ ही साथ उन्होने इस आयोजन के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, के महानिदेशक एवं हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम की झलकियाँ

केन्द्रीय विद्यालय बंगाणा
KENDRIYA VIDYALAYA BANGANA
"प्रकृति"
"PRAKRITI"
छात्र – वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम
Student- Scientist Connect Programme
A joint effort